RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 143
दि. 22.09.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को दी शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं

शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ सोमवार से हो रहा है। शारदीय नवरात्र के अवसर पर योगी आदित्यनाथ शक्ति स्वरूप मां जगदंबा की विशेष पूजा

अर्चना करते हैं। गोरखनाथ मंदिर में विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया जाता है। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी नवरात्र की अष्टमी तिथि में विधि विधान से महानिशा पूजन और हवन कर लोक मंगल की प्रार्थना करेंगे।

पीएम मोदी का बड़ा ऐलान - 22 सितंबर से शुरू होगा ' जीएसटी बचत उत्सव', संबोधन की महत्वपूर्ण बातें

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम देश को संबोधित करते हुए एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर की सुबह से ही देश में 'GST बचत उत्सव' शुरू हो जाएगा। इस ऐतिहासिक बदलाव का सीधा असर हर वर्ग के लोगों की जेब पर पड़ेगा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत नवरात्रि की बधाई देकर की और इसे देश की आर्थिक मजबूती की दिशा में अहम कदम बताया।

'बचत उत्सव' से हर परिवार को राहत

पीएम मोदी ने कहा कि इस बचत उत्सव का लाभ गरीब, मध्यमवर्गीय, न्यू मिडिल क्लास, किसान, महिलाएं और व्यापारी सभी को मिलेगा। त्योहारों के इस मौसम में लोग अपनी पसंद का सामान सस्ती कीमतों पर खरीद पाएंगे। मोदी ने कहा, "हर घर में खुशहाली होगी, हर परिवार का मुंह मीठा होगा। यह सुधार भारत की ग्रोथ स्टोरी को नई गति देगा।"

निवेश और कारोबार पर सकारात्मक असर

प्रधानमंत्री ने बताया कि नए GST ढांचे से कारोबार करना आसान होगा। देशी-विदेशी निवेशकों को भारत और ज्यादा आकर्षक बाजार लगेगा। उन्होंने जोर दिया कि इस सुधार से हर राज्य को बराबरी का मौका मिलेगा और विकास की रफ्तार तेज होगी।

◆ 1. पीएम मोदी ने कहा, "जो देश के लोगों की जरुरत का है, जो हम देश में ही बना सकते हैं। वो हमें देश में ही बनाना चाहिए।"

◆ 2. पीएम मोदी ने कहा, "हम वो सामान खरीदें जो MADE IN INDIA हो, जिसमें हमारे देश के नौजवानों की मेहनत लगी हो, हमारे देश के बेटे-बेटियों का पसीना हो। हमें हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना है। हर दुकान को स्वदेशी से सजाना है।"

◆ 3.पीएम मोदी ने कहा, "जो देश के लोगों की जरुरत का है, जो हम देश में ही बना सकते हैं, वो हमें देश में ही बनाना चाहिए। देश की स्वतंत्रता को जैसे स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली... वैसे ही देश की समृद्धि को भी स्वदेशी के मंत्र से ही शक्ति मिलेगी।"

◆ 4. पीएम मोदी ने कहा, "GST कम होने से अब देश के नागरिकों के लिए अपने सपने पूरे करना और आसान होगा। इस जीएसटी रिफॉर्म में 'नागरिक देवो भवः की साफ झलक दिखाई देती है।"

◆ 5. पीएम मोदी ने कहा, "जब आपने हमें 2014 में सेवा का अवसर दिया तो हमने जनहित में, देशहित में जीएसटी को अपनी प्राथमिकता बनाया। हमने हर स्टेक होल्डर से चर्चा की, हमने हर राज्यों की हर शंका का निवारण किया।

हर सवाल का समाधान खोजा। सभी राज्यों को, सबको साथ लेकर आजाद भारत का इतना बड़ा टैक्स रिफॉर्म्स संभव हो पाया।

अब तक 3 लाख जनता ने दिये अपने सुझाव, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में सुधार पर मुख्यमंत्री का जोर

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन 2047 के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान के तहत जनता से फीडबैक लेने की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश के 75 जनपदों में नोडल अधिकारीगण और प्रबुद्धजन, आम जनता, छात्रों, शिक्षकों, व्यवसायियों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संघों और मीडिया के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा और भविष्य के रोड मैप पर चर्चा कर रहे हैं।

फीडबैक देने में शहर वालों से आगे निकले ग्रामीण

अभियान के तहत रविवार तक विकसित पोर्टल samarth uttar pradesh. up.gov.in पर कुल 3 लाख फीडबैक प्राप्त हुए। इनमें से 2.40 हजार ग्रामीण और 60 हजार से अधिक नगरीय क्षेत्रों से आए हैं। आयु वर्ग के अनुसार 1.12 लाख से अधिक सुझाव 31 वर्ष से कम, 1.66 लाख सुझाव 31-60 वर्ष और बाकी सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों से प्राप्त हुए हैं।

इन सेक्टर्स में मिल रहे सर्वाधिक सुझाव

फीडबैक के क्षेत्रवार वितरण में शिक्षा (1.10 लाख), नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र (52 हजार से अधिक), स्वास्थ्य (23 हजार से अधिक), समाज कल्याण (25 हजार से अधिक), कृषि (51 हजार से अधिक) और आईटी एवं टेक्नोलॉजी (6 हजार से अधिक) शामिल हैं। प्रमुख जनपदों जैसे आगरा, फिरोजाबाद, बस्ती, जौनपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, गोरखपुर, सहारनपुर, शामली, एटा, मेरठ, फरुर्खाबाद, मैनपुरी, ललितपुर, महाराजगंज, प्रयागराज आदि से 1.11 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं।

सिविल सेवा और डिजिटल परिवर्तन' विषय पर 28वां राष्ट्रीय सम्मेलन 22 सितंबर से विशाखापत्तनम में आरंभ होगा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह 'विकसित भारतः सिविल सेवा और डिजिटल परिवर्तन' विषय पर आयोजित दो दिन के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से ई-गवर्नेंस पर 28वां राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीईजी) का आयोजन कर रहे हैं। दो दिन का यह सम्मेलन 22-23 सितंबर, 2025 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय है 'विकसित भारतः सिविल सेवा और डिजिटल परिवर्तन'।

सम्मेलन का उद्घाटन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह करेंगे। इस सम्मेलन में आंध्र प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री पवन कल्याण और आंध्र प्रदेश के आईटी एवं मानव संसाधन विकास मंत्री श्री एन. लोकेश भी उपस्थित रहेंगे।

सम्मेलन के दौरान, 19 अनुकरणीय पहलों को ई-गवर्नेंस 2025 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे। इन पुरस्कारों में छह श्रेणियों में 10 स्वर्ण, 6 रजत और 3 जूरी पुरस्कार शामिल हैं, जो केंद्र, राज्य, जिला प्राधिकरणों, ग्राम पंचायतों और शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों को प्रदान किए जाएँगे।

इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत में सुरक्षित और टिकाऊ ई-सेवा वितरण सुनिश्चित करने हेतु नवीन और परिवर्तनकारी दृष्टिकोणों पर चर्चा करने हेतु सरकारी अधिकारियों, उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को एक साथ लाना है;

आईसीजी ने 26,000 से अधिक स्वयंसेवकों के साथ देश भर में अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस 2025 का आयोजन किया

स्वच्छ भारत अभियान और प्रधानमंत्री के "स्वच्छता ही सेवा" (एसएचएस) आह्वान के अंतर्गत भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने 20 सितंबर 2025 को देश भर में अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस 2025 मनाया। एनसीसी कैडेटों, एनएसएस सदस्यों, स्कूल और कॉलेज के छात्रों सहित 26,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने तटीय स्वच्छता को बहाल करने के लिए समुद्र तट सफाई अभियान में शामिल हुए और कूड़ा-कचरा तथा समुद्री मलबा हटाया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को सतत कार्यों के प्रति जागरूक करना और नाजुक तटीय इकोसिस्टम की रक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना भी था।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अमरेली जिले की सहकारी संस्थाओं की वार्षिक साधारण सभा के 'सहकार से समृद्धि' परिसंवाद में सहभागी हुए

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 21 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल रविवार को अमरेली में सहकारी संस्थाओं की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास परिषद के 'सहकार से समृद्धि' परिसंवाद में सहभागी हुए।

इस अवसर पर अमरेली जिला मध्यस्थ सहकारी बैंक, अमरेली जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ लि. - अमर डेयरी, अमरेली जिला सहकारी संघ, अमरेली जिला सहकारी क्रय-विक्रय संघ लि. आदि सहकारी संस्थाएँ शामिल हुईं।

श्री पटेल ने जिले की सहकारी संस्थाओं की वार्षिक साधारण सभा को 'सहकार से समृद्धि' को साकार को करने वाला अवसर बताते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में गुजरात के दो सपूतों पूज्य महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की अगुवाई में गुजरात अग्रसर रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन ने सहकारिता गतिविधि को गति देने का कार्य किया था। गांधीजी ने ग्राम स्वराज तथा सरदार पटेल ने किसानों को एकजुट कर दूध सहकारी मंडलियों के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी थी।

मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता की हमारी मूल भावना को बदलते समय के साथ सुसंगत रखकर नया कलेवर देने की दिशा दी है। उनके नेतृत्व में देश में स्वतंत्रता प्राप्ति के दशकों बाद पृथक सहकारिता मंत्रालय शुरू हुआ है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सबको साथ लेकर विकास के पथ पर आगे बढ़ने की कटिबद्धता से सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा व ऊर्जा मिली है। आज जब गुजरात की सहकारी संस्थाएँ अन्य राज्यों के लिए उदाहरणीय बनी हैं, तब अमरेली सहित समग्र सौराष्ट्र में सहकारिता क्षेत्र के विकास से किसान, खेती, महिलाएँ तथा गाँव सक्षम बने हैं।

इसका उत्कृष्ट उदाहरण यह कार्यक्रम है।

उन्होंने सहकारिता क्षेत्र में श्री दिलीप संघाणी द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सहकारी संस्थाएँ जनकल्याण व जनसेवा के मंत्र के साथ कार्य कर रही हैं। अमरेली जिला मध्यस्थ सहकारी बैंक विश्वास का प्रतीक बना है। बैंक ने किसानों की चिंता कर सर्वप्रथम ग्रामीण समूह दुर्घटना बीमा योजना शुरू की थी। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई अटल पेंशन योजना में जिला सहकारी बैंक ने पिछले 3 वर्षों से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया है, जो गर्व की बात है। उल्लेखनीय है कि जिला दूध उत्पाद सहकारी संघ अमर डेयरी चलाकर पशुपालकों के कल्याण के लिए कार्य कर रहा है, जिसके माध्यम से आज 35 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। गुजरात महिला क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी महिलाओं को ऋण देकर आत्मनिर्भर बना रही है, जो प्रधानमंत्री के महिला सशक्तिकरण के विचार को सार्थक कर रही है।

उन्होंने कहा कि सबके साथ और सबके विकास के साथ सहकारिता की भावना गुजरातियों के स्वभाव एवं संस्कार में सहज रूप से बुनी हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की दीर्घदृष्टि का बड़ा लाभ गुजरात के सहकारिता क्षेत्र को मिला है। राज्य में 89 हजार सहकारी संस्थाओं में लगभग 1 करोड़ 65 लाख सभासद कार्यरत हैं।

पोषण माह के विषय 'मैन-स्ट्रीमिंग' को मिजोरम की आईसीडीएस परियोजनाओं में बढ़ावा

मिजोरम में, बिलखौथ्लिर और थिंगसुलथलिया आईसीडीएस परियोजनाओं में शिशु और छोटे बच्चों की आहार संबंधी (आईवाईसीएफ) गतिविधियों में पुरुषों को शामिल करके मैन-स्ट्रीमिंग विषय को आगे बढ़ाया गया है। इन पहलों का उद्देश्य मिल-जुलकर पालन-पोषण की जिम्मेदारियों को बढ़ावा देना और समावेशी पारिवारिक एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से पोषण के परिणामों में सुधार करना है। ये परियोजनाएं आईवाईसीएफ कार्यक्रमों में पुरुषों को शामिल करके पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को चुनौती देने में मदद कर रही हैं और साथ ही क्षेत्र में बाल पोषण एवं देखभाल की रणनीतियों की समग्र प्रभावशीलता को भी मजबूत कर रही हैं।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' युवा शिखर सम्मेलन देश भर में 2000 से अधिक स्थानों पर आयोजित किए गए

(जीएनएस)।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा मना रहा है जिसका समापन गांधी जयंती पर होगा। इस वर्ष जुलाई माह में वाराणसी में आयोजित युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन की प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए, वर्तमान सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 21 सितंबर 2025 को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' के लिए युवाओं के लिए शिखर सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं।

2000 से अधिक स्थानों पर युवा सम्मेलन और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें हजारों युवा सामूहिक रूप से नशा मुक्त और स्वदेशी भारत शपथ ले रहे हैं। यह अभियान अपने आप में इसलिए विशेष है कि युवा कार्यक्रम मंत्रालय और "माई भारत" इसमें सूत्रधार की भूमिका निभा रहे हैं। आध्यात्मिक संगठन अपने नेटवर्क, संस्थानों और स्वयंसेवकों के माध्यम से स्वतंत्र रूप से आयोजित कर रहे हैं। ये कार्यक्रम देश के आध्यात्मिक नेतृत्व और युवाओं के बीच ऐतिहासिक सहयोग के प्रतीक हैं। यह एक स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर विकसित भारत के निर्माण के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को और पुष्ट करता है।

इस अभियान का नेतृत्व देश के सबसे प्रतिष्ठित आध्यात्मिक संगठन कर रहे हैं जो इस साझा राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए एक साथ आए हैं। 1700 से अधिक स्थानों पर 20 प्रमुख संगठन और 270 से अधिक स्थानों पर 42 अन्य संगठन सक्रिय रूप से कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। प्रमुख संगठनों में: ईशा फाउंडेशन, इस्कॉन, हार्टफुलनेस, चिन्मय मिशन, ब्रह्मकुमारी, माता अमृतानंदमयी मठ, पतंजलि, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद, चिश्ती फाउंडेशन, नामधारी सिख संगत, सूफी इस्लामिक बोर्ड और अणुव्रत शामिल हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का रायसेन दौरा, वन नेशन-वन इलेक्शन और स्वदेशी सम्मेलन में की सहभागिता

(जीएनएस)।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अपने संसदीय क्षेत्र रायसेन का दौरा किया। श्री शिवराज सिंह ने यहां अनेक कार्यक्रमों में शिरकत की। सबसे पहले उन्होंने रायसेन की अवंतिका कॉलोनी में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया और सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 75 पौधे लगाए। वहीं केन्द्रीय कृषि मंत्री ने साँची में नमो वाटिका का उद्घाटन किया और रक्तदान स्वास्थ्य शिविर में भी शामिल हुए। इसके अलावा श्री शिवराज सिंह ने जीएसटी सुधारों पर ट्रेक्टर छूट व कृषि उपकरणों के संबंध में व्यापारियों से चर्चा की और एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यक्रम व स्वदेशी सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान श्री चौहान ने जनसमूह को स्वच्छता, एक राष्ट्र एक चुनाव और स्वदेशी वस्तुएं

खरीदने का संकल्प भी दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत आज एक वैभवशाली, गौरवशाली, सम्पन्न, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नए जीएसटी सुधारों पर व्यापारियों से विस्तार से चर्चा की। इस दौरान केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि, 22 सितंबर नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी की दरें कम हो रही है, जिसमें ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों पर जीएसटी 18% से 5% कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस कदम से अलग-अलग श्रेणी के ट्रैक्टरों की कीमत में 23 हजार रुपये से लेकर 63 हजार रुपये तक की भारी कमी होगी। उन्होंने कहा कि, केंद्र सरकार ने किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है, जिसके लिए उत्पादकता बढ़ाने और लागत कम करने, दोनों की आवश्यकता है और दोनों लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मशीनीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनें किसानों के लिए उत्पादन बढ़ाने और खेती की लागत घटाने में बेहद जरूरी हैं।

सम्पादकीय

एच1बी वीजा को लेकर भारतीय पेशेवरों को बड़ी परेशानी

इन दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सलाहकार मंडली जुबान से तो भारत और प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए मीठी-मीठी बातें तो करती हैं किन्तु कार्रवाई इस तरह की करने में व्यस्त हैं जिससे देश के हर वर्ग को प्राभावित होना पड़ता है। शक्रवार को भी ट्रंप ने इसी दुराशय के वशीभूत होकर एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क पर एक लाख अमेरिकी डालर बढ़ा दिया है। निाति रूप से ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रातिवूल प्राभाव पड़ना तय है। व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव विल शार्प ने कहा कि एच1बी गैर प्रावासी वीजा कार्यव्रम देश की वर्तमान वीजा प्राणाली में सबसे अधिक दुरुपयोग की जाने वाली वीजा प्राणालियों में से एक है।

दरअसल जब कोई व्यक्ति इतना ज्यादा किसी के प्राति द्वेष रखता है तो कभी-कभी उसकी नकारात्मक कार्रवाई भी लक्षित व्यक्ति, समुदाय या राष्ट्र के हित में ही साबित हो जाती है। भारत तो बहुत ही प्रातिभा पलायन के कारण कई क्षेत्रों में पेशेवरों के टोटा होने से परेशान है। भारत में तमाम आईआईटी और एनआईटी होने के बावजूद विकासोन्मुख भारत को मेक इन इंडिया के लिए प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। पहले तो भारत में सुविधा न मिल पाने के कारण भारत से टेक्नालाजी संस्थानों से स्नातक की डिग्री लेकर डालर की लालच में युवक अमेरिका और दूसरे विकसित देशों में चले जाते थे किन्तु आज देश में ऐसे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए भारत में सुविधाओं की कमी नहीं है। निाति रूप से भारतीय पेशेवरों को लक्ष्य बनाकर लागू की जाने वाली अमेरिकी वीजा नीति से अप्रात्यक्ष लाभ भारत को ही होगा क्योंकि हमारी प्रातिभा हमारे घर में ही रहेगी। भारत में आज वुशल कामगार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। यदि अमेरिका से प्रौद्योगिकी और आईटी के पेशेवर भारत वापस आ जाएं तो न सिर्प भारत में स्टार्टअप्स की बाढ़ आ जाएगी और जरूरतमंद वंपनियों को मानव संसाधन उपलब्ध हो जाएंगे बल्कि अमेरिका में जो भारतीय पेशेवर वहीं के लिए समर्पण भाव से काम कर रहे हैं, उनकी हालत दिन प्रातिदिन प्रातिभा के अभाव में संकटग्रास्त हो जाएगा। भारतीय पेशेवरों और चीन के अमेरिका में अध्ययन करने वाले छात्रों की तुलना करें तो एक हैरान करने वाला तथ्य सामने आता है कि चीनी छात्र पढ़ाई पूरी करके अपनी प्रातिभा और अनुमान का लाभ अपने देश को देने चीन चले जाते हैं किन्तु भारतीय संस्थानों में पढ़े लिखे छात्र अमेरिका को अपना ही देश मानकर जीजान से उसके विकास के लिए जुटे रहते हैं। फिर अमेरिका को वुछ दिनों या वर्षो बाद इस बात का एहसास होगा कि उनके एक राष्ट्रपति कितने नासमझ थे जिनकी वजह से भारतीय प्रातिभा से उनके देश की वंपनियां वंचित हो गईं। भारतीय इंजीनियरों, डाक्टरों और शिक्षकों ने अमेरिका को अपना देश मानकर वर्षो से जो तपस्या की है उन्हीं का परिणाम है कि आज अमेरिका हर क्षेत्र में शिखर पर है। अमेरिका को यह बात महसूस करनी चाहिए कि वह शीर्षस्थ शिखर पर पहुंच चुका है और प्रावृति का नियम यही है कि जो एक बार शीर्षस्थ हो जाता है उसका नीचे खिसकना अनिवार्य है। शीषरेन्मुखी है, उसे शीर्ष के शिखर पर पहुंचना ही है, इसलिए लगता यही है कि ट्रंप और उनके सलाहकारों ने पेशेवर प्रावासी भारतीयों के खिलाफ नीति निर्धारण करके अप्रात्यक्ष रूप से भारत को ही लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।

श्री अमित शाह ने जोधपुर में 'श्री पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय' के भवन और विधार्थियों के लिए छात्रावास का शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विशेष रूप से सक्षम लोगों को 'दिव्यांग' कहकर उन्हें देखने के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया

दिव्यांग शब्द देकर मोदी जी ने सभी दिव्यांगजनों में नए आत्मसम्मान, नई पहचान और आत्मनिर्भर बनने का स्वप्न जगाने का काम किया

जब दिव्यांगों को दया की जगह दिव्यता का प्रतीक मानने की शुरूआत होती है, तब सच्चे अर्थों में दिव्यांगजनों के लिए काम होता है

श्री पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय लोगों को दिव्यांगों को अपनाने और उन्हें मिली विशिष्ट शक्ति को पहचानकर आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहा है

मोदी सरकार ने दिव्यांगजनों के कौशल को पहचानकर उन्हें उचित मंच देने का काम किया

समाज, सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर अगर दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए काम करें, तो कुछ भी असंभव नहीं है

मोदी सरकार ने सुगम्य भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार के 1314 भवनों, 90 हवाईअड्डों को दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाने का काम किया

आजादी से 2014 तक सिर्फ 7 लाख लोगों को केंद्र सरकार ने कृत्रिम अंग व यंत्र दिए थे, मोदी सरकार ने 10 वर्षों में 31 लाख से अधिक लोगों को कृत्रिम सहायता अंग दिए

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज राजस्थान के जोधपुर में 'श्री पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय' के भवन और विधार्थियों के लिए छात्रावास का शिलान्यास किया। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा सहित और केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने जीवन को दिव्यांगों के सेवा कार्यों से जोड़ता है, तो वह अनेक लोगों को प्रेरित भी करता है और लोगों को इस काम के साथ भी जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने दिव्यांगो को भी कोई न कोई विशिष्ट शक्ति दी है और उस शक्ति को पहचानकर उनके जीवन को सरल बनाने के भाव को सुशीला जी के जीवन से हजारों लोगों ने ग्रहण किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि लगभग

15 करोड़ रुपए की लागत से तीन परियोजनाओं का आज यहां शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि इस संस्था के ट्रैक रिकॉर्ड के अनुसार यह तीनों परियोजनाओं का काम समय पर पूरा होगा जिससे सैकड़ों बच्चों के जीवन में नया उजियारा आएगा। उन्होंने कहा कि सुशीला जी ने 5 विद्यालयों, दो महाविद्यालयों, निःशुल्क छात्रावास, भोजन, ऑडियो बुक्स, रिकॉर्डेड लेक्चर्स, ब्रेल प्रिंटिंग प्रेस, स्क्रीन रीडर, कम्प्यूटर लैब और पुस्तकालय के माध्यम से दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं के जीवन में ज्ञान और दृष्टि का प्रकाश प्रसारित किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय 2022 में राजस्थान का पहला नेत्रहीन महाविद्यालय बना। जब दिव्यांगों को दया की जगह दिव्यता का प्रतीक मानने की शुरूआत होती है तब सच्चे अर्थों में दिव्यांगजनों के लिए काम होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2015 में पहली बार विशेष रूप से सक्षम लोगों के लिए 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग करना शुरू किया। यह शब्द ही द्योतक है कि प्रधानमंत्री जी के एक ही फैसले से पूरे भारत की जनता, सभी राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार का दिव्यांगजनों को देखने का नजरिया बदला है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के सभी दिव्यांगों के अंदर दिव्यांग शब्द से नए आत्मसम्मान, नई पहचान, आत्मनिर्भर बनने का स्वप्न जगाने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के सभी दिव्यांगजनों के अंदर मौजूद खेल कौशल को प्लेटफॉर्म दिया है। विश्व में पैरालंपिक खेलों की शुरूआत 1960 में हुई और तब से 2012 तक हुए सभी पैरालंपिक खेलों में भारत को सिर्फ 8 पदक मिले थे। पिछले तीन पैरालंपिक खेलों में भारत ने 52 पदक जीते और इससे हमारे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। श्री शाह ने कहा कि समाज, सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर अगर दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए काम करें, तो कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पैरालंपिक खेलों में 52 पदक जीतना इस बात को दर्शाता है कि हमारे दिव्यांगजन सब कुछ कर सकते हैं, बस जरूरत है उनका हाथ थामने, उनके अंदर की शक्ति को पहचान कर उन्हें उचित मंच प्रदान करने की।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के बजट को 2014 के 338 करोड़ से रुपए से बढ़ाकर आज 1313 करोड़ रुपए तक पहुंचा दिया है। मोदी सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया है। सुगम्य भारत अभियान के तहत भारत सरकार के 1314 भवनों में 563 करोड़ रुपए खर्च कर उन्हें दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाया गया है। इसके अलावा, 1748 अन्य इमारतों को भी सुगम्य बनाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि 35 अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों और 55 घरेलू हवाईअड्डों को दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाने का काम भी किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने से पहले सिर्फ 7 लाख लोगों को भारत सरकार ने कृत्रिम अंग और यंत्र दिए थे, लेकिन मोदी सरकार के पिछले 10 सालों में 18 हजार शिविर लगाकर 31 लाख लोगों को कृत्रिम सहायता अंग देने का काम किया गया है।

'दुर्गा आराधना पर्व : नवरात्रि'

माँ की महिमा, वात्सल्य एवं स्नेह तो शब्दों से परे है। माँ की सृजन शक्ति अतुलनीय है। माँ का त्याग, समर्पण और प्रेम अद्वितीय है। ऐसी ही जगतमाता, जगदंबा, भगवती हमारे कल्याण के लिए नवरात्रि में शक्ति की आराधना के उत्सव पर्व में गज पर सवार होकर पधार रही है। शिव सदैव शक्ति के साथ अपनी पूर्णता से सुशोभित होते है। वे अर्धनारीश्वर स्वरूप में स्त्री सम्मान को प्रदर्शित करते है। प्रत्येक ईश्वरीय सत्ता में हमें नारी के प्रति समभाव दिखाई देता है, फिर चाहे वह राधे-कृष्ण हो, सीता-राम हो, उमा-शंकर हो या लक्ष्मी-नारायण स्वरूप हो। उच्चारण में भी नारी को ही प्रथम स्थान दिया गया है।

माँ की करुणा तो सदा भक्तो के लिए मंगलकारी होती है। माँ भी सदैव सृष्टि के संचालन को सुचारु रूप से चलाने के लिए ईश्वर के साथ लीलाओं में सहयोगी होती है। सती का रूप धारण कर माँ भक्तों के लिए 51 शक्ति पीठों के रूप में आशीर्वाद प्रदान करने के लिए विराजमान हो गई और प्रत्येक भक्त के लिए माँ ने भिन्न-भिन्न स्थानो को चयनित किया। माँ तो सर्वत्र विद्यमान है। माँ का न तो आदि है न अंत। दयामयी, कृपालु माँ तो अंत में भैरव को भी क्षमा कर अपने दर्शन में सहज रूप में सम्मिलित करती है। इतनी उदारता तो केवल माँ के स्वभाव में भी परिलक्षित हो सकती है। माँ की ममता को भला कौन भक्त अनुभव नहीं कर सकता, यदि वह सच्चे मन से स्मरण करें तो माँ सदैव सहायक होती है। दानवों के अत्याचार से भक्तों एवं संतो को बचाने के लिए माँ सिंह पर सवार होकर आती है और सृष्टि को पाप के भय से मुक्त करती है।

माता का एक सरल स्वभाव होता है कि वह बालक की गलतियों को नहीं, बल्कि सदैव उसके अच्छे गुणों एवं कर्मों को याद रखती है, इसलिए यदि हम ईश्वर से भक्ति-भाव के साथ जुड़ जाए तो यह समबंधन ईश्वर भी समान रूप से निर्वहन करते है। यदि हम माता के आगमन की प्रतीक्षा करते है तो माँ भी हमारे पुकारने की प्रतीक्षा में व्याकुल रहती है। जब बच्चा माँ के पास आकर बैठता है और अपने मनोभाव एवं दशा माँ को बताता है तब माँ ही तो होती है जो सुनने एवं समझने का प्रयास करती है। वह प्रत्येक स्थिति में बालक की उन्नति चाहती है। उसकी प्राथमिकता में सदैव बालक का हित निहित होता है। जगतमाता तो सर्वस्व कल्याणी एवं भक्त वत्सल स्वरूपा है। वे कैसे भक्तों की पुकार पर मनोवांछित एवं यथेष्ठ फल न प्रदान करें। श्रीराम कथा में स्वयं माता सीता ने माता पार्वती की स्तुति की थी और कहा था कि माँ आप तो शिव प्रिया एवं वरदान देने वाली हो। आप तो अपने भक्तों को चारों पुरुषार्थ सहजता से प्रदान कर देती है। जिस तरह बालक के हृदय में माँ का निवास होता है वह अपनी प्रत्येक इच्छा पूर्ति के लिए माँ से ही आस लगाता है, वैसे ही माँ के हृदय में भी सदैव बालक की चिंता विद्यमान होती है।

वर्तमान समय में हम प्रत्येक स्थिति में परिवर्तन देख रहे है और हम यह समझ रहे है कि यह सृष्टि ईश्वरीय सत्ता के द्वारा संचालित होती है। हमारी शक्ति ईश्वर की शक्ति के आगे नगण्य है। हमारे जीवन में शामिल यह सभी उत्सव एवं पर्व हमें ईश्वरीय सत्ता से जुड़ने एवं उनके प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ होने के लिए प्रेरित करते है। यदि हम इन उत्सवों में ईश्वर के प्रेम, अनुराग एवं भक्ति में डूबते है तो हम जैसे-तैसे भव सागर से पार तो निश्चित ही हो जाएंगे। ईश्वर का ध्यान, पूजन एवं अर्चन हमारी मानसिक एकाग्रता को भी बढ़ाता है एवं हमें आनंद एवं शांति प्रदान करता है। दुर्गा आराधना पर्व में दुर्गा सप्तशती के पाठ द्वारा माता की आराधना श्रेष्ठ होती है। कन्या पूजन हमें बेटियों को भी अपनत्व से अपनाने एवं प्रेम प्रदान करने की ओर अग्रसर करता है, क्योंकि आँगन की सुंदरता बेटियों से ही सुशोभित होती है। माता की आराधना को उत्सव रूप प्रदान करने के लिए सर्वत्र गरबा नृत्य का भी आयोजन किया जाता है। यह उत्सव एवं आराधना पर्व हमें नारी के प्रति कृतज्ञ एवं सम्मानभाव रखने की भी प्रेरणा देता है। तो आइये इस नवरात्रि पूर्ण निष्ठा भाव से माता के विभिन्न स्वरूपों का ध्यान करें एवं जीवन में भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति को प्राप्त करें।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)
प्रेषकः
डॉ. रीना रवि मालपानी
9039551172

'सेवा पर्व' के अवसर पर केवीआईसी द्वारा खादी महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ

(जीएनएस)।

अध्यक्ष केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के

संसदीय क्षेत्र वाराणसी से किया खादी महोत्सव-2025 का शुभारंभ।

17 सितंबर से 23 अक्टूबर 2025 तक पूरे देश में 'खादी महोत्सव-2025' का होगा आयोजन।

17 से 19 सितंबर तक केवीआईसी के मुख्यालय मुंबई में स्वदेशी और स्वच्छता को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।

अध्यक्ष केवीआईसी के नेतृत्व में 18 सितंबर को मुंबई के जुहू बीच में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष केवीआईसी ने कहा, 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' मंत्र के साथ केवीआईसी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वदेशी क्रांति' को जन-जन तक पहुंचा रहा।

'सेवा पर्व' के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' के मंत्र को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 17 सितंबर से 23 अक्टूबर तक पूरे देश में 'खादी महोत्सव-2025' का आयोजन कर रहा है।

17 सितंबर को केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से खादी महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ किया। इसके उपरांत केवीआईसी के केंद्रीय कार्यालय मुंबई में 18 और 19 सितंबर को स्वदेशी, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

18 सितंबर को मुंबई के जुहू बीच पर 'सेवा पर्व-2025' के तहत विशेष स्वच्छता अभियान-05 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने स्वच्छता अभियान की अगुआई की और 'स्वच्छता से राष्ट्र सेवा' का संदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अभियान में केवीआईसी के सैकड़ों अधिकारी एवं कर्मचारी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।

19 सितंबर को केंद्रीय कार्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों, कर्मचारियों और अधिकारियों को आयोग के अध्यक्ष द्वारा सम्मान-पत्र व पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने कहा कि 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' मंत्र के साथ केवीआईसी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वदेशी क्रांति' को जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान- ह्लसेवा ही संकल्प, राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणाह्व से प्रेरित होकर केवीआईसी राष्ट्र सेवा के पथ पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने खादी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कभी ब्रांड्स प्राथमिकता थे, लेकिन अब खादी हमारी प्राथमिकता बन गई है। खादी अब केवल वस्त्र नहीं, बल्कि पूज्य बापू द्वारा प्रदत्त 'आत्मनिर्भर भारत' का सशक्त आधार है।

श्री मनोज कुमार ने बताया कि खादी ने अब 'फार्म टू फैशन' तक सभी उद्योगों को जोड़ते हुए "हर घर स्वदेशी" का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। पिछले 11 वर्षों में इसका स्वरूप पूरी तरह बदला है और खादी का कारोबार 1.70 लाख करोड़ रुपये की सीमा पार कर चुका है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में केवीआईसी आज कुटीर उद्योगों की सबसे मजबूत कड़ी बन चुका है, जो दिन-रात कारीगरों के साथ मिलकर स्वदेशी को वैश्विक मंच तक ले जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के कथन "हम देश के लिए सहेंगे, लेकिन आत्मनिर्भर भारत बनाकर रहेंगे" का संदर्भ देते हुए उन्होंने डिजिटल इंडिया और बच्चों के लिए सशक्त भारत की संकल्पना को दोहराया।

इस अवसर पर केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री रूपराशि ने कहा कि 'सेवा पर्व' और जीएसटी लाभ जैसे प्रयासों से नई पीढ़ी को खादी और स्वदेशी के मूल्यों का वास्तविक बोध हो रहा है। उन्होंने कहा कि खादी सिर्फ वस्त्र नहीं, बल्कि कारीगरों और जनसाधारण के सहयोग का प्रतीक है, जिसमें आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान की शक्ति निहित है। उन्होंने कहा कि हर बच्चा खादी का राजदूत बन सकता है।

खादी महोत्सव के अवसर पर केंद्रीय कार्यालय मुंबई में अधिकारियों व कर्मचारियों ने 'वोकल फॉर लोकल' की भावना से स्वदेशी का संकल्प लिया। पारंपरिक खादी परिधान में उन्होंने 'खादी यात्रा' निकाली। इसके साथ ही एक रंग-बिरंगी स्वदेशी रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ, जिसमें सभी ने सक्रिय भागीदारी की।

कल से बदलेगा टैक्स सिस्टम, लेकिन क्या पुराने स्टॉक भी मिलेंगे सस्ते? सरकार ने साफ किया जवाब

(जीएनएस)।

देशभर में 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने जा रही हैं। सरकार ने टैक्स स्ट्रक्चर को आसान बनाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए मौजूदा 5%, 12%, 18% और 28% वाले स्लैब को घटाकर सिर्फ दो दरों में बांट दिया है -5% और 18%। इसके अलावा लग्जरी और 'सिन गुड्स' जैसे पान मसाला, तंबाकू, काबोर्नेटेड ड्रिंक और याट-पर्सनल जेट पर 40% टैक्स का प्रावधान किया गया है।

टैक्स स्लैब में बदलाव का सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ने वाला है। जरूरत का सामान, गाड़ियों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स और दवाइयां तक, सब सस्ता होगा। यानी इस बार त्योहारों की खरीदारी लोगों के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित होगी। लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दुकानों में पड़े पुराने स्टॉक पर भी ग्राहकों को सस्ते दाम मिलेंगे? अब सरकार ने इस पर साफ-साफ जवाब दिया है।

क्या पुराने स्टॉक पर भी घटे हुए दाम मिलेंगे?

सरकार का कहना है कि टैक्स कटौती का फायदा सिर्फ नए स्टॉक तक सीमित नहीं रहेगा। भले ही दुकानों में रखे पुराने माल पर MRP ज्यादा प्रिंट हो, लेकिन ग्राहकों को वही सामान नई दरों के हिसाब से खरीदने का हक है। यानी 22 सितंबर से हर सामान पर घटाए गए GST का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाना दुकानदारों की जिम्मेदारी होगी।

अगर दुकानदार फायदा न दें तो क्या करें?

सरकार ने साफ किया है कि अगर कोई दुकानदार घटाए गए टैक्स का फायदा ग्राहकों को नहीं देता, तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी। दोषी पाए जाने पर दुकानदारों को जुमार्ना या जेल की सजा भी हो सकती है।

ग्राहक इस बारे में शिकायत नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन 1800-11-4000, CBIC की GST हेल्पलाइन 1800-1200-232 पर कर सकते हैं। इसके अलावा नेशनल एंटी प्रॉफिटियरिंग अथॉरिटी की वेबसाइट पर जाकर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। शिकायत करते समय बिल की कॉपी और दुकानदार का नाम-पता देना होगा।

किन सामानों पर घटेगा टैक्स?

इस बदलाव से रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कई चीजें सस्ती हो जाएंगी। पनीर, घी, रोटी, चपाती और पराठा जैसे बेसिक फूड आइटम्स पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। वहीं साबुन, शैंपू, तेल जैसी जरूरी चीजें भी 18% टैक्स स्लैब में आ गई हैं।

इसी तरह, कार और दोपहिया वाहन भी सस्ते होंगे। पहले छोटी कारों और 350ू तक की बाइक्स पर 28% टैक्स देना पड़ता था, लेकिन अब यह घटकर 18% रह गया है। ऑटो पार्ट्स और थ्री-व्हीलर्स पर भी यही राहत मिलेगी।

घर बनाने का खर्च कम होगा

सीमेंट पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो घर बना रहे हैं या मरम्मत करा रहे हैं। टीवी, एसी और वॉशिंग मशीन जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान भी 28% से घटकर 18% स्लैब में आ गए हैं। यानी अब इनकी कीमतें भी घटेंगी।

दवाइयों पर बड़ा फायदा

नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने साफ कर दिया है कि दवा कंपनियों को अपने उत्पादों की MRP अपडेट करनी होगी। साथ ही revised प्राइस लिस्ट डीलर्स, रिटेलर्स और सरकार को देनी होगी ताकि ग्राहकों को सही दाम मिल सके। खास बात यह है कि 33 जरूरी दवाइयों पर टैक्स पूरी तरह हटा दिया गया है। इनमें कैंसर और गंभीर बीमारियों की जीवनरक्षक दवाइयां शामिल हैं।

'घुटन हो रही थी, इस्तीफे के बाद परेशानी', जगदीप धनखड़ के करीबी का चौंकाने वाला खुलासा, बताई अंदर की बात

(जीएनएस)।

देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। हरियाणा के इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) प्रमुख और धनखड़ के करीबी माने जाने वाले अभय सिंह चौटाला ने दावा किया है कि उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से धनखड़ काफी परेशान थे और उन्हें सरकारी आवास में रहना ही मुश्किल लग रहा था।

अभय चौटाला ने एक हरियाणा तक को दिए इंटरव्यू में बताया कि जगदीप धनखड़ साहब ने खुद उनसे कहा था कि पद छोड़ने के बाद उन्हें सरकारी घर में घुटन महसूस हो रही है। उन्होंने साफ कहा था, "मेरा इस घर में मन नहीं लगता, यहां रहना मेरे लिए बेहद मुश्किल है।" यही वजह रही कि उन्होंने नया ठिकाना तलाशने का मन बना लिया।

जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा देने के बाद आखिरकर तोड़ी चुप्पी, क्या बोले, किससे मिले? सामने आई अंदर की कहानी

जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा देने के बाद आखिरकर तोड़ी चुप्पी, क्या बोले, किससे मिले? सामने आई अंदर की कहानी

आखिर क्यों सरकारी आवास छोड़ा जगदीप धनखड़ ने?

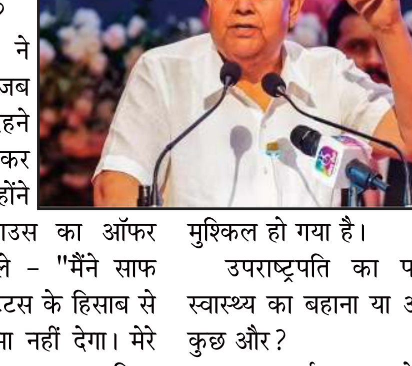

अभय चौटाला ने याद किया कि जब धनखड़ ने उनसे रहने की जगह को लेकर चर्चा की, तो उन्होंने उन्हें अपने फार्महाउस का ऑफर दिया। चौटाला बोले - "मैंने साफ कहा कि आपके स्टेटस के हिसाब से फ्लैट में रहना शोभा नहीं देगा। मेरे फार्म को अपना घर मानकर रहिए। चाहे छह महीने लगें या दो साल, जब तक आपका नया मकान तैयार नहीं हो जाता, आप यहीं रहिए।"

धनखड़ ने चौटाला का सुझाव माना और फिर वे दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर स्थित चौटाला परिवार के फार्महाउस में शिफ्ट हो गए। अभय चौटाला ने कहा कि धनखड़ साहब ने खुद मुझसे कहा था कि उनको उस सरकारी आवास में अब घुटन महसूस हो रही है। वहां रहना, उनके लिए मुश्किल हो गया है।

उपराष्ट्रपति का पद छोड़ना, स्वास्थ्य का बहाना या असली वजह कुछ और?

21 जुलाई 2025 को धनखड़ ने अचानक इस्तीफा देते हुए स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। लेकिन चौटाला के ताजा खुलासे ने इस बहाने पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौटाला का कहना है कि धनखड़ पूरी तरह फिट हैं। वे रोज सुबह-शाम टेबल टेनिस खेलते हैं और दोनों वक्त स्विमिंग भी करते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य कारणों को लेकर उनका इस्तीफा देना अब और भी रहस्यमयी लगता है।

चौटाला परिवार और धनखड़ का 40 साल पुराना रिश्ता

अभय चौटाला ने यह भी बताया कि उनका धनखड़ परिवार से रिश्ता नया नहीं है। करीब 40 साल पुराना सामाजिक और पारिवारिक नाता उन्हें जोड़ता है। चौटाला बोले, "ये फार्महाउस मेरा नहीं बल्कि उनका ही घर है। धनखड़ हमारे परिवार के सदस्य हैं, मेहमान नहीं।" उन्होंने आगे कहा कि धनखड़ चाहें तो कितने भी समय तक वहां रह सकते हैं।

जगदीप धनखड़ को सरकारी घर छोड़ने में लगे 42 दिन

गौरतलब है कि इस्तीफे के बाद भी धनखड़ 42 दिन तक उपराष्ट्रपति आवास में रहे। 1 सितंबर 2025 को उन्होंने आवास खाली किया और उसी दिन छतरपुर फार्महाउस में शिफ्ट हो गए। नियम के मुताबिक, वे 15 महीने तक सरकारी घर में रह सकते थे, लेकिन उनके मुताबिक वह माहौल उन्हें बिल्कुल रास नहीं आ रहा था।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

वडोदरा रेल मंडल की हरित पहल: 1100 से अधिक पौधे लगाए और वितरित किए

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल ने 'स्वच्छता ही सेवा-2025' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु एक व्यापक वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस पहल के तहत मंडल के 109 विभिन्न स्थलों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें लगभग 450 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और कुल 1164 पौधे लगाए गए।

यात्रियों में हरियाली और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता जागृत करने के उद्देश्य से पौधों का वितरण भी किया गया। साथ ही, स्वच्छता और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए वडोदरा रेलवे स्टेशन परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसे यात्रियों ने उत्साहपूर्वक सराहा।

वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम के माध्यम से वडोदरा मंडल ने न केवल हरित भारत के संकल्प को मजबूत किया है, बल्कि कर्मचारियों और नागरिकों के बीच पर्यावरण संरक्षण एवं सहभागिता की भावना को भी प्रोत्साहित किया है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा धरती को और अधिक हरा-भरा बनाना है।

भारतीय रेलवे ने शुरू की समयबद्ध कार्गो सेवाएँ, बढ़ाई माल परिवहन की गति

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे ने माल परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब समय-सारणी आधारित, वस्तु-विशेष कार्गो सेवाएँ शुरू की गई हैं, जो उत्तर भारत के प्रमुख उत्पादन और खपत केंद्रों को जोड़ती हैं। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाना, भरोसेमंद ट्रांज़िट समय सुनिश्चित करना और उद्योग-आधारित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करना है।

नई सेवाओं में शामिल हैं:

अन्नपूर्णा सेवा: लुधियाना से वाराणसी तक, 704 किमी, खाद्य अनाज का 17 घंटे में परिवहन।

गति-वाहन सेवा: फर्रुख नगर (हरियाणा) से लखनऊ तक, 557 किमी, ऑटोमोबाइल्स का 28 घंटे में परिवहन, पहले 70 घंटे लगते थे।

निर्यात कार्गो सेवा: गढ़ी से मुन्द्रा पोर्ट तक, 1061 किमी, कंटेनर का 32 घंटे में परिवहन।

अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा: रूपनगर से अनंतनाग, 586 किमी, सीमेंट का 31 घंटे में परिवहन।

इन सेवाओं की योजना बनाने में ऋअक ऑटोमोबाइल ऑपरेटर, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर और पड़ोसी रेलवे जोन सहित सभी फ्रेट स्टेकहोल्डर्स के साथ व्यापक समन्वय किया गया। प्रारंभ में ये सेवाएँ परीक्षण के रूप में शुरू हुई थीं, लेकिन अब यह पूरी तरह से स्थिर और कुशल रूप से संचालित हो रही हैं।

ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही। ऋअक ने अन्नपूर्णा सेवा की सराहना की, जिससे पंजाब और हरियाणा के अधिशेष क्षेत्रों से उत्तर प्रदेश के कमी वाले क्षेत्रों तक खाद्य अनाज की आपूर्ति में सुधार हुआ। मारुति सुजुकी ने गति-वाहन सेवा के तहत ट्रांज़िट समय 70 घंटे से घटकर 28 घंटे होने की जानकारी दी, जिससे रोड ट्रांसपोर्ट के बराबर डिलीवरी सुनिश्चित हुई। निर्यातक रिपोर्ट कर रहे हैं कि निर्यात कार्गो सेवा के जरिए मुन्द्रा पोर्ट तक 40 घंटे से कम में माल पहुँच रहा है, जिससे पोर्ट और शिपिंग कंपनियों के साथ समय पर समन्वय संभव हुआ। सीमेंट कंपनियों ने अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा और अनंतनाग गुड्स शेड के उद्घाटन का स्वागत किया, जिससे रेक डिस्पैच और ट्रक संचालन बेहतर हुए।

समयबद्ध ट्रेन आगमन और प्रस्थान की जानकारी के साथ, ये सेवाएँ कॉन्साइनर्स और कन्सिग्नी दोनों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स योजना बनाने में मदद कर रही हैं, जिससे पूर्वानुमान और दक्षता बढ़ रही है। भारतीय रेलवे उद्योग, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को समर्थन देते हुए विश्वस्तरीय, भरोसेमंद माल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अहमदाबाद मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा - 2025' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा - 2025' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए 21 सितंबर 2025 को सामुदायिक भवन, साबरमती परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने पौधारोपण कर इस अभियान की शुरूआत की। उनके साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती मंजु, मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने सक्रिय रूप से पौधे लगाए।

कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने बताया कि "वृक्ष प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं और उनका संरक्षण हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। 'स्वच्छता ही सेवा' जैसे अभियान न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।"

इस अभियान के तहत अहमदाबाद मंडल के विभिन्न स्थलों—जैसे साबरमती रेलवे कॉलोनी, आरपीएफ बैरक, वटवा, महेसाणा, गांधीनगर, गांधीधाम, राधानपुर तथा विरमगाम में भी वृक्षारोपण किया गया। इन स्थानों पर सैकड़ों पौधे रोपित किए गए तथा उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया गया।

पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मंडल द्वारा आयोजित यह वृक्षारोपण कार्यक्रम न केवल "हरित भारत" की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है, बल्कि इससे कर्मचारियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और सहभागिता की भावना को भी सुदृढ़ किया गया है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ावा देना तथा धरती को अधिक हरा-भरा बनाना रहा।

पशुपालन क्षेत्र में नारीशक्ति: गुजरात के डेयरी उद्योग के विकास में लाखों महिला पशुपालक दे रही हैं अभूतपूर्व योगदान

राज्य सरकार के अविरत प्रयासों से डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र में महिलाएँ बनीं आत्मनिर्भर; मासिक 1,75,000 रुपए की कमाई कर रही है कच्छ की सोनलबेन गोयल

पिछले 10 वर्षों में राज्य में विभिन्न पशुपालन योजनाओं के अंतर्गत महिला लाभार्थियों की संख्या 2 लाख से अधिक; लगभग 4986 मंडलियाँ महिला संचालित

बनास डेयरी में महिला सभासद वार्षिक 50 लाख रुपए से अधिक राशि का दूध जमा कराकर आर्थिक रूप से बनीं सक्षम

गांधीनगर, 21 सितंबर :नवरात्रि का पर्व माँ शक्ति के नौ रूपों की आराधना का पर्व है, जो नारी शक्ति का प्रतीक है। आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर जोर दिया है। गुजरात में भी महिलाएँ विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रही हैं, खासकर राज्य के पशुपालन क्षेत्र का विकास महिलाओं की आभारी है। आज गुजरात की लाखों महिला पशुपालक डेयरी सहकारी समितियों का नेतृत्व कर रही हैं, अच्छी आय अर्जित कर रही हैं और अपने समुदायों में बदलाव ला रही हैं। इसका श्रेय तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है, जिनके उल्लेखनीय प्रयासों को गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल दृढ़ गति से आगे बढ़ा रहे हैं। इसी के फलस्वरूप आज गुजरात में लाखों महिलाएँ पशुपालन क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रही हैं।

कच्छ की सोनलबेन गोयल पशुपालन से हर महीने 1,75,000 रुपएकमाती हैं

'एक समय मेरे पास 3 दुधारू पशु थे और मेरी मासिक 12,000 रुपए की आय होती थी। आज राज्य सरकार की सहायता से मैं मासिक 1,75,000 रुपए की कमाई कर रही हूँ। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी साहब ने किसानों एवं पशुपालकों की आय दुगुनी करने का सपना संजोया है, जो हमारे लिए वास्तविक बन गया है।' ये शब्द हैं कच्छ जिले में मुंद्रा तहसील के पत्री गाँव में रहने वाली सोनलबेन गोयल के, जो राज्य सरकार की स्वरोजगार-पशुपालन व्यवसाय के लिए 50 दुधारू पशुओं का डेयरी फार्म स्थापित करने की सहायता योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से स्वतंत्र तथा सशक्त बनी हैं। न केवल सोनलबेन, बल्कि राज्य की हजारों महिलाएँ आज दूध सहकारी मंडलियों का नेतृत्व कर रही हैं और लाखों की कमाई कर रही हैं। इसका श्रेय तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है, जिनके उल्लेखनीय प्रयासों को गुजरात के

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल दृढ़ गति से आगे बढ़ा रहे हैं। इसी के फलस्वरूप आज गुजरात में लाखों महिलाएँ पशुपालन क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रही हैं।

गुजरात में डेयरी एवं पशुपालन में महिलाओं की भूमिका उल्लेखनीय

गुजरात में पिछले दो दशकों में महिलाओं के लिए डेयरी उद्योग आर्थिक स्वतंत्रता तथा सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। ये महिलाएँ उनके परिवारों की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के अलावा परिवार के लिए स्वास्थ्य तथा शिक्षा भी सुनिश्चित कर रही हैं। महिला दूध उत्पादक मंडलियों तथा महिलाओं के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं द्वारा उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति मजबूत बनी है। उल्लेखनीय बात यह है कि आज पशुपालन तथा दूध उत्पादन के विभिन्न कामकाज में महिलाओं का योगदान लगभग 70 प्रतिशत है।

राज्य में 21,000 से अधिक मंडलियों में लगभग 4986 मंडलियाँ महिला संचालित

गुजरात के पशुपालन क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित डेयरी को-ऑपरेटिव्स तथा स्वयं-सहायता समूहों की संख्या भी उल्लेखनीय है। राज्य में कुल 21,000 से अधिक दूध उत्पादक सहकारी मंडलियाँ हैं, जिनमें से लगभग 4986 महिला संचालित मंडलियाँ हैं। राज्य के कुल 32 लाख से अधिक सभासदों में 10 लाख से अधिक सभासद महिलाएँ हैं। बनास डेयरी जैसी बड़ी डेयरियों में, जहाँ एक दिन में लगभग अधिकतम 1 करोड़ लीटर दूध जमा होता है, वहाँ भी महिला पशुपालकों का उल्लेखनीय योगदान है। बनास डेयरी में काफी बड़ी संख्या में महिला सभासद वार्षिक 50 लाख रुपए से अधिक राशि का दूध जमा कराकर आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनी हैं।

राज्य सरकार की मदद से आज कच्छ की सोनलबेन कर रही हैं मासिक 1,75,000 रुपए की कमाई

गुजरात सरकार की 50 दुधारू पशुओं के डेयरी फार्म की स्थापना के लिए सहायता योजना कई महिलाओं की आत्मनिर्भरता में कुंजीरूपी सिद्ध हुई है। कच्छ की सोनलबेन नारणभाई गोयल ने लॉकडाउन के समय का सदुपयोग कर आई-खेडूत पोर्टल पर इस योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके बाद उन्होंने बैंक से ऋण प्राप्त कर 50 दुधारू पशु खरीद कर शेड बनाया और साथ में दूध दोहन मशीन, घास काटने की चाफ कटर मशीन, फोगर सिस्टम आदि की खरीद भी की।

बिजली विभाग के एक इंजीनियर की बेहिसाब संपत्ति का सबूतों के साथ पदार्फाश!

अपने पद का इस्तेमाल निजी संपत्ति संचय में करना, राष्ट्र के साथ विश्वासघात से कम नहीं है।

सी॰ एम॰ जैन' भारत में भ्रष्टाचार की कहानियों की कभी कमी नहीं रही, लेकिन कुछ मामले अपनी निडरता, व्यापकता और बेशर्मी के कारण बाकियों से कहीं आगे निकल जाते हैं। डीएनएच और डीडी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सहायक अभियंता के रूप में कार्यरत समीर किशोरकुमार पांड्या की कहानी ऐसा ही एक मामला है। संदिग्ध भूमि सौदों और अस्पष्ट जीवनशैली विकल्पों की अफवाहों से शुरू हुआ यह मामला समय के साथ आय से अधिक संपत्ति, बेनामी लेनदेन, मिलीभगत से धोखाधड़ी और सरकारी पद के दुरुपयोग की ओर इशारा करने वाले सबूतों के एक अकाट्य ढेर में बदल गया है। यह सिर्फ़ एक सरकारी कर्मचारी की कहानी नहीं है; यह उस व्यवस्था का आईना है जो अक्सर सार्वजनिक ज़िम्मेदारी वाले व्यक्तियों को चुपचाप अपनी आधिकारिक शक्ति को निजी साम्राज्यों में बदलने की अनुमति देती है।

1997 को विद्युत विभाग में हुई थी नियुक्ति।

ज्ञात हो कि समीर किशोरकुमार पंड्या 13 नवंबर 1997 को दमन और दीव विद्युत विभाग में कनिष्ठ अभियंता के रूप में सरकारी सेवा में शामिल हुए। 8 मई 1972 को जन्मे, उनके करियर का पथ ऊपर से देखने पर एक सामान्य पथ पर ही चला: वरिष्ठता के माध्यम से पदोन्नति, जिसकी परिणति सहायक अभियंता के रूप में उनके वर्तमान पद पर हुई। कागजी तौर पर, उनका वेतन और वैध आय उन्हें एक मध्यमवर्गीय अधिकारी के दायरे में रखती है। फिर भी, जब कोई उनकी संपत्ति प्रोफाइल की जाँच करता है, तो एक चौंकाने वाला अंतर दिखाई देता है: संपत्ति, जमीन, कॉर्पोरेट साझेदारियाँ और वित्तीय लेन-देन करोड़ों में हैं, जो किसी भी कानूनी आय स्रोत से उचित नहीं ठहराए जा सकते।

परिवार के नाम पर कई बड़ी औद्योगिक इकाइयाँ।

समीर पंड्या के निकटतम परिवार में उनकी पत्नी सुमिता समीर पंड्या, पुत्र वरुण और पुत्री इशानी शामिल हैं। साक्ष्य दर्शाते हैं कि सुमिता पंड्या संपत्ति और संपदा संचय में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं, और उनका नाम कंपनी साझेदारी और भूमि स्वामित्व अभिलेखों में बार-बार दिखाई देता है। 1. आर.के. पेट प्रोफाइल्स, जो भीमपुर, दमण में स्थित है, जहाँ सुमिता पंड्या, केतन पंड्या के साथ साझेदार हैं।

भावनगर रेलवे मंडल पर 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' के अंतर्गत वॉकथॉन का सफल आयोजन

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर 21 सितम्बर, 2025 (रविवार) को स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए वॉकथॉन (हं"ेइ्ल्ल) का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वॉकथॉन को मंडल कार्यालय से अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह कार्यक्रम मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा की प्रेरणा से आयोजित किया गया था। वॉकथॉन का मार्ग मंडल कार्यालय से प्रारंभ होकर फ्व्हृ कार्यालय सर्किल – अधिकारी विश्राम गृह – स्टेडियम कॉलोनी – पोपट कॉलोनी – फ्व्हृ कार्यालय सर्किल होते हुए पुनः मंडल कार्यालय पर संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान भावनगर मंडल पर प्रतिदिन अलग-अलग थीम पर विशेष कार्यक्रम एवं सफाई अभियान आयोजित किए जा रहे हैं।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, फिटनेस और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा रेलकर्मियों एवं नागरिकों को स्वस्थ, सक्रिय जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करना था। यह पहल आलस्य, तनाव, चिंता और बीमारियों से मुक्ति दिलाकर स्वच्छ और स्वस्थ समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

प्रधानमंत्री 22 सितम्बर को अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा का दौरा करेंगे

अरुणाचल प्रदेश की विशाल जलविद्युत क्षमता के उपयोग के लिए, प्रधानमंत्री ईटानगर में 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे

प्रधानमंत्री जीवन स्तर में सुधार के लिए कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य और अन्य विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे

प्रधानमंत्री त्रिपुरा में, माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर के विकास कार्यों का दौरा और उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 22 सितम्बर को अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा का दौरा करेंगे। वे ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

इसके बाद, वे त्रिपुरा का दौरा करेंगे और पूजा-अर्चना करेंगे तथा माताबाड़ी में 'माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर' के विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे।

अरुणाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री

क्षेत्र में विशाल जलविद्युत क्षमता का उपयोग करने और निरं"तर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री ईटानगर में 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। हीओ जलविद्युत परियोजना (240 मेगावाट) और तातो-क जलविद्युत परियोजना (186 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश के सियोम उप-बेसिन में बनाई जाएंगी।

. प्रधानमंत्री तवांग में एक अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला भी रखेंगे। सीमावर्ती जिले तवांग में 9,820 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित यह केन्द्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सांस्कृतिक उत्सवों और प्रदर्शनियों की मेजबानी के लिए एक ऐतिहासिक इमारत के रूप में कार्य करेगा। 1,500 से अधिक प्रतिनिधियों की मेजबानी करने की क्षमता के साथ, यह केन्" द्र वैश्विक मानकों को पूरा करेगा और क्षेत्र की पर्यटन और सांस्कृतिक संभावना में सहयोग करेगा।

प्रधानमंत्री 1,290 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली अनेक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे, जो कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, अग्नि सुरक्षा, कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावासों सहित विभिन्न क्षेत्रों को लाभान्वित करेंगी। इन पहलों से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने, जीवन स्तर में सुधार और कनेक्टिविटी में सुधार होने की उम्मीद है।

व्यापार में सुगमता सुनिश्चित करने और एक जीवंत उद्यमशीलता इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की अपनी कल्पना के अनुरूप, प्रधानमंत्री स्थानीय करदाताओं, व्यापारियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ हाल ही में जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रभाव पर भी चर्चा करेंगे।

त्रिपुरा में प्रधानमंत्री

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के तहत माताबाड़ी में 'माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर' के विकास कार्य का उद्घाटन करेंगे। यह त्रिपुरा के गोमती जिले के उदयपुर शहर में स्थित प्राचीन 51 शक्तिपीठों में से एक है।

इस परियोजना को ऊपर से कछुए के आकार का आकार दिया गया है, जिसमें मंदिर परिसर में सुधार, नए रास्ते, पुनर्निर्मित प्रवेश द्वार और बाड़, जल निकासी व्यवस्था, स्टॉलों, ध्यान कक्ष, अतिथि आवास, कार्यालय कक्षों सहित एक नये तीन मंजिले परिसर का निर्माण आदि शामिल हैं। यह पर्यटन को बढ़ावा देगा, रोजगार और व्यापार के अवसर पैदा करेगा और क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दीक्षा संवाद के तीसरे संस्करण में अंडमान एवं निकोबार कमान की भूमिका को एक समुद्री रणनीतिक केंद्र के रूप में रेखांकित किया गया

(जीएनएस)।

भारत की एकमात्र परिचालन संयुक्त सेवा कमान अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) ने 19-20 सितंबर, 2025 को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के श्री विजयपुरम में 'रणनीतिक केंद्र के रूप में एएनसी का विकास और उससे आगे' विषय पर दीप दीक्षा वार्ता के तीसरे संस्करण की सफलतापूर्वक मेजबानी की। यह संवाद आयोजन अब एक प्रमुख रणनीतिक मंच बन चुका है, जो सशस्त्र बलों, कूटनीति, शिक्षा, मीडिया और रणनीतिक मामलों से जुड़े प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को एक साथ लेकर आता है। इस मंच का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की समुद्री और सुरक्षा व्यवस्था को आकार देने में एएनसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करना है।

इस संवाद में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एएनसी के कमांडर-इन-चीफ (सीआईएनसीएएन) लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लेफ्टिनेंट गवर्नर एडमिरल डी.के. जोशी ने उच्चस्तरीय संबोधन दिए।

हालांकि इस वार्ता का वास्तविक महत्व इसमें निहित था कि सेवारत अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, विशेषज्ञों और विचारकों ने के बीच यह चर्चा हुई कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने हितों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकता है।

इस मंच पर भविष्य-उन्मुख युद्धक कार्रवाई संबंधी अवधारणाओं, संज्ञानात्मक और साइबर युद्ध, रणनीतिक संकेतों तथा क्षेत्र में भारत की 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' की भूमिका को सशक्त करने जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

विशिष्ट प्रतिभागियों में पूर्व नौसेना प्रमुख और प्रथम सीआईएनसीएएन एडमिरल अरुण प्रकाश (सेवानिवृत्त), पूर्व सीआईएनसीएएन लेफ्टिनेंट जनरल अजय सिंह (सेवानिवृत्त), रियर एडमिरल मोंटी खन्ना (सेवानिवृत्त), उप सेना प्रमुख (रणनीतिक) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई तथा पूर्व फ्लैग ऑफिसर वाइस एडमिरल अनिल चावला (सेवानिवृत्त) शामिल थे।

गिल-अभिषेक से मैदान पर भिड़े हारिस रऊफ, दोनों युवाओं ने निकाली पाकिस्तानी की गर्मी, अंपायर ने शांत कराया मामला

(जीएनएस) ।भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा तीव्र गति वाला होता है। एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में भारतीय टीम के बल्लेबाजों ने पाक की जमकर धुनाई कर डाली। पिछले मैच में हाथ नहीं मिलाने से चिढ़े हुए पाकिस्तानी खिलाड़ी मैदान पर उल्टी-सीधी हरकतें कर रहे हैं। हारिस रऊफ ने गुस्सा दिखाते हुए छेड़खानी की।

अभिषेक शर्मा और गिल बैटिंग कर रहे थे, तो दोनों के साथ रऊफ ने अग्रेशन दिखाया। अभिषेक शर्मा ने उनको जवाब देने में कोई नरमी नहीं बरती। जिस तरह रऊफ ने बात की, उसी तरह अभिषेक शर्मा ने वापस उनको कुछ कहा। यह तब शुरू हुआ, जब अभिषेक शर्मा ने रऊफ को चौका जमा दिया था।

इसके बाद उन्होंने कुछ कहा था। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर वह गिल के साथ भिड़ने चले गए। गिल ने अंतिम गेंद पर चौका जड़ने के बाद रऊफ से पूछा कि क्या बात है, मुझे बोल। उसमें अभिषेक शर्मा भी उनके साथ हो गए और दोनों ने मिलकर हेकड़ी निकाल दी। इस बीच अंपायर ने आकर मामला शांत करा दिया।

सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा हुई कि दोनों युवा भारतीय प्लेयर्स ने मिलकर पाकिस्तानी खिलाड़ी की अकड़ निकाल डाली। इसके बाद अगले ओवर में इन दोनों ने मिलकर साइम अयूब को निशाना बनाया और 3 धांसू चौके जड़कर पावरप्ले में तहलका मचा दिया। अभिषेक शर्मा के

पूरनपुर सीएचसी महिला वार्ड में पंखे बंद, स्टाफ नर्स 3 दिन से गैरहाजिर, मरीज परेशान

(जीएनएस)।

पीलीभीत के पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के महिला वार्ड में बिजली व्यवस्था का बुरा हाल है। पंखे लगातार बंद हैं, जिससे मरीज और तीमारदार गर्मी से बेहाल हैं। शनिवार को सीएचसी का निरीक्षण करते हुए सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने देखा कि मरीज हाथ से पंखा चलाकर गर्मी सह रहे थे।

बिजली, जनरेटर और इन्वर्टर की व्यवस्था होने के बावजूद इनमें से ज्यादातर ठीक से काम नहीं कर रहे। मुख्य मैकेनिक के गैरमौजूद रहने के कारण जनरेटर भी बंद रहा।

उपस्थिति रजिस्टर जांच में एक स्टाफ नर्स तीन दिन से बिना सूचना गैरहाजिर मिली। इसके संबंध में स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

महिला चिकित्सालय में संविदा लैब टेक्नीशियन और चीफ फार्मासिस्ट भी कई बार गैरहाजिर रहे। इससे मरीजों को जांच और दवा पाने में परेशानी हुई। दवा वितरण अधूरा रह गया और मरीज बिना जांच कराए वापस लौट गए।

सीएमओ ने कर्मचारियों को ट्रेनिंग देकर जनरेटर संचालन सिखाने और गैरहाजिर कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है।

जहानाबाद में बिना अनुमति जुलूस निकालने पर नौ लोग गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत के जहानाबाद में बिना अनुमति के एक बड़ा जुलूस निकाला गया, जिससे पुलिस और खुफिया एजेंसियों में हड़कंप मच गया। यह जुलूस कानपुर में दर्ज एक मुकदमे के विरोध में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा निकाला गया था।

जानकारी के अनुसार, इस जुलूस में हजारों की संख्या में युवा और नाबालिग बच्चे शामिल थे, जो सैकड़ों मोटरसाइकिलों पर सवार थे। जुलूस निकालने वालों की हिम्मत इतनी थी कि उन्होंने कोतवाली जहानाबाद के ठीक सामने से इसे निकाला और पूरे नगर में घुमाया।

इस घटना के बाद एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर किसके नेतृत्व में और बिना किसी अनुमति के इतना बड़ा जुलूस निकाला गया। पुलिस विभाग के आला अधिकारी और खुफिया एजेंसियां इस घटना की जांच में जुट गई हैं और मास्टरमाइंड की तलाश कर रही हैं।

जहानाबाद पुलिस ने इस मामले में शांति भंग के आरोप में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में यूनुस खान, नाजिम खान, सलीम खान, मोहम्मद समीर, महशर खान, जीशान, मोहम्मद उवैस और आजाद खान शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ धारा 151 (शांति भंग) के तहत चालान किया गया है।

पूरी घटना पीलीभीत जनपद की कोतवाली जहानाबाद क्षेत्र की है। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

जन विश्वास बनाए रखना ही कारोबार की सबसे बड़ी पूंजी : सीएम योगी

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश दुनिया का सबसे बड़ा दवा उपभोक्ता बाजार है। प्रदेश में 1.10 पंजीकृत दवा की दुकानों से पांच लाख लोग सीधे तौर पर जुड़े हैं। इससे भी बड़ी संख्या उन लोगों की है जो अप्रत्यक्ष रूप से इस कारोबार से जुड़े हैं। दवा कारोबार बड़ी जिम्मेदारी और जवाबदेही का क्षेत्र है। दवा कारोबारी समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देते हुए जिम्मेदारी के साथ लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराते हैं। दवा कारोबार से जुड़े लोगों को ईमानदारीपूर्वक याद रखना होगा कि जन विश्वास बनाए रखना ही उनके कारोबार की सबसे बड़ी पूंजी है।

सीएम योगी रविवार को केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश की वार्षिक आमसभा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नकली दवाओं के खिलाफ सभी को जन जागरण के अभियान से जुड़ना होगा। यह संकल्प लेना होगा कि किस भी प्रकार की मिलावटी दवाओं के कारोबार के खिलाफ खड़े होंगे। नारकोटिक्स की उन दवाओं को जिनमे डॉक्टर के विशेष परामर्श की जरूरत होती है, आम दवाओं की तरह नहीं बिकने देंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने आगरा में नकली दवाओं और कुछ अन्य जगहों पर नारकोटिक्स दवाओं से जुड़े अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नकली दवाओं का कारोबार ईमानदार दुकानदारों के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने दवा कारोबारियों को आश्वस्त किया कि मिलावट वाली दवाओं और नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं के गलत इस्तेमाल वाली बिक्री के खिलाफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन आगे आए, सरकार फेडरेशन को हर प्रकार का संरक्षण देगी। ईमानदार दवा कारोबारियों के व्यवसाय को सरल और सुगम बनाने में सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच वर्ष पूर्व दवा कारोबारियों पर संकट आया था। फार्मासिस्ट की अनिवार्यता को लेकर। तब उन्होंने कहा था कि दवा कारोबारी का व्यावहारिक ज्ञान, फार्मासिस्ट से कम नहीं होता। इस बात को लेकर केंद्र सरकार ने सकारात्मक कदम बढ़ाया था।

यूपी को बनाएंगे फार्मा हब

सीएम योगी ने कहा कि सरकार उत्तर प्रदेश को फार्मा हब बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके लिए भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह को फार्मा एडवाइजर बनाया गया है। साथ ही ललितपुर में एक बड़ा फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दवाओं के मामले में उत्तर प्रदेश दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। फार्मा पार्क से यहीं दवा बनने से लोगों को सस्ती दवाएं मिलेंगी। दवा का एक्सपोर्ट दुनिया को होगा। नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन भी होगा।

अब यूपी में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज का दौर

सीएम योगी ने कहा कि कभी प्रदेश की पहचान वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया से थी। उनकी सरकार ने अब इसकी पहचान वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की कर दी है। जो असंभव था, आज संभव हो गया है। उन्होंने कहा कि 8 साल में सरकार ने 41 नए मेडिकल कॉलेज और दो एम्स स्थापित किए हैं। अस्पतालों की तो लंबी श्रृंखला है। उन्होंने कहा कि यूपी में सुरक्षा के माहौल में नया बिजनेस मॉडल दिया गया है। यह सिर्फ 25 करोड़ की आबादी का राज्य ही नहीं है बल्कि अगल बगल के राज्यों की स्वास्थ्य और अन्य जरूरतों को भी पूरा करता है।

जीएसटी सुधार उपभोक्ता और व्यापारी, दोनों के हित में

मुख्यमंत्री ने कहा कि 3 सितंबर को पीएम मोदी के मार्गदर्शन में जीएसटी परिषद ने दवाओं के कर दरों में भारी छूट दे दी। यह ऐसा क्षेत्र था जिसमें व्यापक संभावना भी है। जीवनरक्षक बीमा पॉलिसी जीएसटी लगभग फ्री हो गई है। कहा कि जीएसटी के नए सुधार उपभोक्ता और व्यापारी, दोनों के हित में हैं। इससे आम उपभोक्ता को फायदा होगा और बाजार भी मजबूत होगा।

नशामुक्ति के लिए फेडरेशन सीएम के हर निर्णय के साथ : अध्यक्ष

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष संदीप चतुर्वेदी ने कहा कि सीएम योगी के मार्गदर्शन से दवा कारोबारियों को उत्पीड़न से काफी निजात मिली है। उन्होंने कहा कि केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन नशामुक्ति के लिए मुख्यमंत्री के हर निर्णय के साथ है। कार्यक्रम के शुभारंभ पर फेडरेशन के पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र प्रदान कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मिशन शक्ति 5' के तहत पीलीभीत में महिला पुलिस की बाइक रैली, सशक्तिकरण का दिया संदेश

(जीएनएस)।

पीलीभीतः नारी शक्ति के सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, जनपद पीलीभीत में 'मिशन शक्ति 5' के अंतर्गत एक प्रभावशाली बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया के नेतृत्व में पीलीभीत की महिला पुलिस द्वारा निकाली गई।

बाइक रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण का संदेश देना और उन्हें अपनी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। इस रैली में शामिल महिला पुलिसकर्मियों ने आत्मनिर्भरता और साहस का प्रदर्शन करते हुए पूरे शहर में मार्च किया।

'मिशन शक्ति' अभियान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित और सशक्त बनाना है। पीलीभीत पुलिस की यह पहल इसी दिशा में एक सराहनीय कदम है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से नंदी घायल, एजीएस टीम ने कराया उपचार

(जीएनएस)।

बरेली। आज तड़के लगभग 4 बजे एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक नंदी बैल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आरोग्य गौ रक्षक जनकल्याण ट्रस्ट भारत (AGS TEAM) तुरंत मौके पर पहुँची और डॉक्टर को बुलाकर घायल नंदी का प्राथमिक उपचार कराया।

गंभीर स्थिति को देखते हुए नंदी महाराज को आगे के उपचार हेतु मेनका गांधी गौशाला एवं अस्पताल, रामगंगा, बरेली भेजा गया।

इस दौरान भाई पुष्पाल, भाई गिरीश, ग्राम प्रधान शेखपुर, साथी बंधु, गौशाला संचालक भाई धीरज पाठक एवं विक्रांत मौजूद रहे।

ट्रस्ट के संस्थापक एवं गौ सेवक प्रदीप कुमार शर्मा (जिला मीडिया प्रभारी, विश्व हिंदू महासंघ बरेली) ने बताया कि सभी की प्रार्थना है कि नंदी महाराज शीघ्र स्वस्थ हों।

भ्रम की समाप्ति और ईश्वर को जानना ही मनुष्यता की पहचानः कमलेश मणि त्रिपाठी

(जीएनएस)।

बाराबंकीः रविवार को विशाल निरंकारी सत्संग का आयोजन 2/68 आवास विकास कालोनी बाराबंकी में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संपन्न हुआ। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की किरपा से सत्संग की अध्यक्षता कुशीनगर के जोनल इंचार्ज महात्मा कमलेश मणि त्रिपाठी ने किया उन्होंने सतगुरु बाबा हरदेव सिंह महराज के संदेश ब्रम्ह की प्राप्ति, भ्रम की समाप्ति पर बल देते हुए कहा कि ईश्वर को जान कर मानव जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। सत्संग में नेपाल के ज्ञान प्रचारक के के पाठक,गोंडा के ज्ञान प्रचारक कैलाश सोनी,बस्ती के ज्ञान प्रचारक राम नवल चौधरी, गोरखपुर के ज्ञान प्रचारक संजय सिंह और लखनऊ के ज्ञान प्रचारक पी एस उदासी जी ने संगत को अपने विचारों से अवगत कराया, इसके अलावा बलरामपुर, बहराइच, अयोध्या, कुशी नगर, मऊ ,लखनऊ एवं बाराबंकी जिले के सभी क्षेत्रों से संत महात्माओं ने सतसंग में भाग लिया साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सत्संग का लाभ उठाया। बारांबकी के प्रमुख एस एन सिंह मुखी और संचालक सल्पू राम ने बताया कि सत्संग के बाद 70 जिज्ञासुओं ने ब्रम्ह ज्ञान प्राप्त किया और अंत में श्रद्धालुओं ने लंगर भी छका।

अमेठी क्रिकेट टीम ने रोमांचक मुकाबले में खैबर क्रिकेट क्लब को 7 विकेट से हराकर हासिल की शानदार जीत

अमेठी क्रिकेट टीम ने रविवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में खैबर क्रिकेट क्लब को 7 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की कप्तानी जिशान खान ने की, जिन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता से टीम को पूरी तरह संगठित और उत्साहित रखा।

पहली पारी में खैबर क्रिकेट क्लब ने बल्लेबाजी की, लेकिन अमेठी के गेंदबाजों ने उम्दा प्रदर्शन कर विपक्षी टीम को बड़े स्कोर तक पहुँचने नहीं दिया। खैबर क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट देकर 103 रन बनाए। दिलशाद रईन ने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और मैच का रुख अमेठी की ओर मोड़ दिया। वहीं, जुनैद खान ने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 2 विकेट झटके और अपनी टीम को मजबूती दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेठी क्रिकेट टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और महज 12.1 ओवर में 105 रन बनाकर आसानी से 7 विकेट से जीत दर्ज की। टीम के हर खिलाड़ी ने जीत में अपना योगदान दिया। बेहतरीन गेंदबाजी और अहम मौके पर विकेट चटकाने के लिए दिलशाद रईन को "मैन ऑफ द मैच" चुना गया। इस जीत के साथ अमेठी क्रिकेट टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है और चैंपियन ट्रॉफी सीरीज पर कब्जा जमाकर आगे हो गई है। खैबर क्रिकेट क्लब को इस मुकाबले में बुरी तरह हराकर अमेठी क्रिकेट टीम ने मैदान पर अपना झंडा गाड़ दिया। लगातार सीरीज मैच जीतते हुए अमेठी क्रिकेट टीम ने एक बार फिर साबित किया कि टीमवर्क, कप्तान जिशान खान का नेतृत्व और दमदार प्रदर्शन से कोई भी मुकाबला जीता जा सकता है। वहीं, खैबर क्रिकेट क्लब समेत विपक्षी टीमें लगातार हार का सामना कर रही हैं।

ई रिक्शा बना लोगों की जान का खतरा, लखनऊ लालबाग में ई रिक्शा में लगी आग, मची अफरा तफरी

लखनऊ के लालबाग सुपर मार्केट चौराहे पर एक ई-रिक्शा में आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई, गनीमत रही कि आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझा दी, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था, ये घटना ई-रिक्शा बैटरी चार्जिंग प्वाइंट पर हुई, जहां रोजाना बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक अपनी बैटरी चार्ज करते हैं।

दरअसल सुपर मार्केट में ई रिक्शा बैटरी चार्जिंग प्वाइंट है जहां पर रोजाना ज्यादा संख्या में ई रिक्शा चालक अपनी बैटरी चार्जिंग करने आते हैं, रोड पर गाड़ी खड़ी करके जब वो चार्जिंग करने के लिए जाते है तो चौराहे पर भीषण जाम जग जाता है रोजाना लालबाग की ट्रैफिक व्यवस्था अस्त व्यस्त रहती है, और आस पास के लोगों को बैटरी ई रिक्शा से अक्सर खतरा बना रहता है, इसी कड़ी में आज सुबह तकरीबन 11 बजे जब ई रिक्शा चालक अपनी बैटरी चार्ज करने के बाद बैटरी लगाने के दौरान ई रिक्शा में आग लग गई, मौके पर अगर आस पास के लोगों ने आग बुझाने में तत्परता नहीं दिखाई होती तो कुछ भी अनहोनी हो सकती थी, आग की चपेट में पूरी सुपर मार्केट आ सकती थी, लोगों की जान जा सकती थी, प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए जहां पर घनी आबादी में बैटरी चार्जिंग प्वाइंट बना हुआ है जो लोगों की जान का खतरा है।

- आग लगने के कारणः ई-रिक्शा की बैटरी चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट या ओवरलोडिंग के कारण आग लग सकती है।

- सुरक्षा मानकों की अनदेखीः अधिकांश ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन बिना उचित बिजली कनेक्शन और सुरक्षा मानकों के चलते हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है।

- प्रशासन की भूमिकाः प्रशासन को चाहिए कि वो ई-रिक्शा चार्जिंग प्वाइंट्स की जांच करे और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करे

लखनऊ में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या

लखनऊ में ई-रिक्शा की संख्या बढ़ रही है, जिससे यातायात व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा है, ई-रिक्शा चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षा मानकों का ध्यान रखने की आवश्यकता है।

ई-रिक्शा चार्जिंग प्वाइंट्स पर सुरक्षा की अनदेखी से बड़े हादसे हो सकते हैं, प्रशासन और ई-रिक्शा चालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने और यातायात नियमों का पालन करने की आवश्यकता है।

रातों-रात क्या कर पाएगा ?', भारत-पाकिस्तान मैच से पहले नजम सेठी ने अपनी ही टीम का उड़ाया मजाक

भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 सुपर-4 का दूसरा मुकाबला रविवार को दुबई में खेला जाना है। इस हाई-वोल्टेज मैच से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम एक नए विवाद में घिर गई है। दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) ने खिलाड़ियों की मानसिक तैयारी के लिए डॉ. रहील करीम नामक मोटिवेशनल स्पीकर को टीम कैंप में शामिल किया। लेकिन इस फैसले को लेकर पाकिस्तान के पूर्व बोर्ड अध्यक्ष नजम सेठी ने करारा तंज कसा है।

सेठी ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान के खिलाड़ी ऐसे प्रयोगों को आसानी से स्वीकार नहीं करते। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने भी साइकेट्रिस्ट लाने की कोशिश की थी, लेकिन खिलाड़ियों ने इसे मानने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान की संस्कृति में अब भी मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गलतफहमियां मौजूद हैं। लोग थेरेपी को कमजोरी या पागलपन से जोड़ते हैं। यही वजह है कि खिलाड़ी इसे अपनाने में हिचकिचाते हैं।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों के सामने कई समस्या

सेठी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान टीम के सामने भाषा की समस्या भी आती है। ज्यादातर विशेषज्ञ विदेशी होते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं। जबकि खिलाड़ियों को सही तरीके से समझाने के लिए उर्दू या पश्तो की जरूरत होती है। ऐसे में इस तरह की मदद का असर कम हो जाता है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी चर्चा तेज हो गई है। कई लोग मानते हैं कि मानसिक मजबूती के बिना भारत जैसी मजबूत टीम को हराना आसान नहीं होगा।

वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि ढउइ का यह कदम सही है और खिलाड़ियों को दबाव झेलने के लिए पेशेवर मदद मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था। उस मैच में विवाद तब बढ़ गया था जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। अब सुपर-4 के इस अहम मुकाबले में दोनों टीमें फिर आमने-सामने हैं।

मिशन शक्ति 5' के तहत संजीव शुक्ला कोतवाल के नेतृत्व में महिला पुलिस की बाइक रैली, सशक्तिकरण का संदेश

(जीएनएस)।

बीसलपुरः नारी शक्ति के सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीसलपुर में 'मिशन शक्ति 5' के अंतर्गत एक प्रेरणादायक बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का नेतृत्व कोतवाल संजीव शुक्ला किया और इसे बीसलपुर की महिला पुलिस ने निकाला।

रैली का मुख्य मकसद महिलाओं के सशक्तिकरण का संदेश देना और उन्हें अपनी सुरक्षा व अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। महिला पुलिसकर्मियों ने साहस और आत्मनिर्भरता का परिचय देते हुए पूरे शहर में मार्च किया।

उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति' अभियान की यह पहल महिलाओं को सुरक्षित और समर्थ बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। बीसलपुर पुलिस की यह कोशिश समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार साबित होगी।